दिनांकः 22.01.2015 को मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में कृषि रोड मैप परफॉरमेंस इंडीकेटर की समीक्षा संबंधी आयोजित बैठक की कार्यवाही।

1. उपस्थिति एवं सभी विभागों का संकलित परफॉरमेंस इंडिकेटर की प्रति – संलग्न।

2. कृषि विभाग को निर्धारित कृषि परफॉरमेंस इंडिकेटर के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि की समीक्षा की गई। धान एवं गेहूँ का बीज विस्थापन दर क्रमशः 44 एवं 36 प्रतिशत लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 38.75 एवं 30 प्रतिशत हुआ है। सघन रोपण विधि से बाग की स्थापना, जैविक सब्जी के क्षेत्र एवं किसान समूह के लिए निर्धारित लक्ष्य क्रमशः 7040 एकड़, 20232 एकड़ तथा 5340(संख्या) लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 5555 एकड़, 12542 एकड़ तथा 1960(संख्या) उपलब्धि हुआ है। जैविक खेती योजना मद में वर्मी कम्पोस्ट, जैव उर्वरक तथा गोबर गैस के लिए निर्धारित लक्ष्य क्रमशः 204974(संख्या), 10.4 लाख एकड़, 10550(संख्या) लक्ष्य के विरूद्ध 63708(संख्या), 5.59 लाख एकड़ तथा 546(संख्या) उपलब्धि हुआ है। कृषि यांत्रिकरण मद में पावर टिलर, जीरो टिलेज तथा कम्बाईन हार्वेस्टर के लिए निर्धारित लक्ष्य क्रमशः 7500(संख्या), 6000(संख्या), 350(संख्या) के विरूद्ध उपलब्धि 1473(संख्या), 511(संख्या) तथा 59(संख्या) उपलब्धि हुआ है। श्री विधि से गेहूँ प्रत्यक्षण के लिए निर्धारित लक्ष्य 78468 एकड़ के विरूद्ध उपलब्धि 59766 एकड़ है। गैर प्रत्यक्षण में उपलब्धि शून्य है। श्री विधि से धान प्रत्यक्षण के लिए 5 लाख एकड़ लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 4.84 लाख एकड़ तथा गैर प्रत्यक्षण के लिए निर्धारित लक्ष्य 25 लाख एकड़ के विरूद्ध उपलब्धि 14.06 लाख एकड़ है। जीरो टिलेज से गेहूँ के प्रत्यक्षण के लिए निर्धारित 2.92 लाख एकड़ लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 1.98 लाख एकड़ है। दक्षिण बिहार में मक्का की खेती के लिए 1.50 लाख एकड़ प्रत्यक्षण लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 1.17 लाख एकड़ है। मेड़ पर अरहर की खेती के लिए निर्धारित 15625 एकड़ लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 15089 एकड़ है। कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा के क्रम में निम्न निदेश दिया गया,

   2.1 संकर प्रभेदों के बीज के प्रयोग में कृषि विश्वविद्यालयों को शामिल किया जाय। इन प्रभेदों का बीज राज्य में उत्पादित किये जाए। राज्य के बाहर से आने वाले बीज की राज्य में उपयुक्तता के संबंध में विश्वविद्यालयों की राय ली जाय। यह भी सुनिश्चित किया जाय कि किसानों को उपलब्ध कराये गये संकर बीज मानक गुणवत्ता के हो।

   2.2 जैविक सर्टिफिकेशन के अवरोध को दूर किया जाय। इस संबंध में पूर्ण विचारित प्रस्ताव तैयार किया जाय।

   2.3 सघन रोपण विधि से बाग की स्थापना के लिए प्रत्येक जिला में मॉडल बगीचा स्थापित किया जाय।

   2.4 जैविक सब्जी के मार्केटिंग के लिए योजना बनाई जाय। डी.एफ.आई.डी. तथा विश्व बैंक की योजना का भी लाभ लिया जाय।

   2.5 वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण मे जिला स्तर पर कई सफल नमूने तैयार हुये है परन्तु जिला स्तर पर स्थानीय तौर पर उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट से भिन्न उत्पाद को प्रमुखता देने की प्रवृत्ति है। राज्य में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट को योजना में

प्राथमिकता पर शामिल किया जाय। वर्मी कम्पोस्ट योजना में गोबर के साथ–साथ जलकुम्भी का भी उपयोग किया जाय।

2.6 श्री विधि प्रत्यक्षण योजना में कोनोवीडर को शामिल नहीं किया जाय।

2.7 कृषि यंत्र के प्रमाणीकरण के लिए सक्षम व्यवस्था विकसित किया जाय ताकि स्थानीय निर्माताओं को कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े।

3. गन्ना उद्योग विभाग को अंतरवर्ती खेती के लिए निर्धारित 55000 एकड़ प्रत्यक्षण लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 15696 एकड़ है। बीज वितरण के लिए निर्धारित 27.89 लाख क्विं० लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 11.22 लाख क्विं है। यह बताया गया कि अगले दो माह में शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर ली जायेगी। गन्ना उद्योग विभाग द्वारा कृषि विभाग से तकनीकी पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की अपेक्षा की गयी। विभाग की योजना की समीक्षा के क्रम में निम्न निदेश दिया गया है,

3.1 अगात प्रभेद के गन्ना को चीनी मिल द्वारा नहीं खरीदा जा रहा है। इसका समाधान किया जाय।

3.2 गन्ना उत्पादन से संबंधित कार्य गन्ना उद्योग विभाग से कृषि विभाग को हस्तांतरित करने का राज्य सरकार का निर्णय है। इसे लागू कराया जाय।

4. पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अधीन कृत्रिम गर्भाधान के लिए 50 लाख लक्ष्य के विरूद्ध 17.67 लाख उपलब्धि हुई है। पशुओं के टीकाकरण के लिए 340 लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 20 लाख है। बकरी वितरण एवं मुर्गी वितरण के लिए क्रमशः 6 एवं 14.95 लाख परिवार के विरूद्ध उपलब्धि 0 तथा 15226 है। दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार के लिए 13.50 लाख लीटर प्रतिदिन लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 0 है। 2145 नये दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति के गठन के विरूद्ध 1169 उपलब्धि हुई है। 8.26 लाख किलोग्राम प्रतिदिन दूध संग्रहण लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 17.71 लाख किलोग्राम है। 63 मत्स्य हेचरी के विरूद्ध उपलब्धि 0 है। 1389 हे० में आर्द्र जल में मत्स्य पालन के विरूद्ध 136 हे० की उपलब्धि है तथा 3574 हेक्टेयर तालाब के जीर्णोद्धार के विरूद्ध उपलब्धि 215 हे० है। समीक्षा के क्रम में निम्न निदेश दिये गये,

4.1 कृत्रिम गर्भाधान योजना में कठिनाई को समग्रता से विचार कर प्रगति को तेज किया जाय।

4.2 टीका योजना में भारत सरकार से लम्बित राशि को शीघ्र विमुक्त कराया जाय।

4.3 बकरी एवं मुर्गी वितरण योजना में तेजी लाया जाय।

4.4 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की समीक्षा कृषि उत्पादन आयुक्त के स्तर पर किया जाय।

4.5 सड़क निर्माण के क्रम में राज्य के विभिन्न भागों में स्थानीय लोगो के पहल से तालाब का निर्माण हुआ है, इन्हें विकसित किया जाय।

5. सहकारिता विभाग के अधीन पैक्स एवं व्यापार मंडल के माध्यम से 3.26 लाख मि.टन क्षमता के 1121 गोदाम निर्माण के विरूद्ध 0.45 लाख मि.टन के 262 इकाई का निर्माण पूर्ण किया गया है तथा 1.876 लाख मि.टन क्षमता के 781 ,गोदाम निर्माणाधीन है। बिहार राज्य भंडार निगम के माध्यम से 5.6 लाख मि.टन क्षमता के 21 गोदाम के लक्ष्य के

विरूद्ध 2 लाख मि.टन क्षमता के 7 गोदाम का निर्माण कार्य शुरू हुआ है तथा 1.60 लाख मि.टन क्षमता के 8 गोदाम का कार्यादेश प्रक्रिया में है। चावल मिल–सह–गैसी फायर के लिए 108 लक्ष्य के विरूद्ध 17 का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा 103 निर्माणाधीन है।

6. उर्जा विभाग के अधीन ग्रामीण क्षेत्रों में 1300 मेगावाट औसत बिजली उपलब्धता के विरूद्ध वास्तविक उपलब्धि 1200 मेगावाट है। ग्रामीण क्षेत्रों में 33/11 के०वी० विद्युत उपकेन्द्रों के लिए निर्धारित 75 लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 26 है। किसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 11 के०वी० नये लाइन के निर्माण के लिए 12000 कि०मी० लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 2024 कि०मी० है। ग्रामीण क्षेत्र में वितरण ट्रांसफर्मर तथा पावर ट्रांसफर्मर की क्षमता में वृद्धि के लिए निर्धारित लक्ष्य क्रमशः 750 एवं 1241 एम.भी.ए के विरूद्ध उपलब्धि 571 एवं 950 एम.भी.ए है। सौर ऊर्जा से ऊर्जान्वित नलकूपों की संख्या के लिए 600 निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 425 है। समीक्षा के क्रम में निम्न निदेश दिया गया,

6.1 ऊर्जा विभाग द्वारा 86 प्रतिशत व्यय किया गया है जबकि इस विभाग का व्यय प्रतिशत 42 प्रतिवेदित हो रहा है। उद्व्यय एवं व्यय की अद्यतन स्थिति के अनुसार प्रतिवेदन संशोधित किया जाय।

7. जल संसाधन विभाग के अधीन अतिरिक्त क्षमता के सृजन के लिए 1.35 लाख हेक्टेयर लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि मात्र 140 हेक्टेयर है। ह्रासित सिंचाई क्षमता के पुनर्स्थापन के लिए 2.14 लाख हेक्टेयर लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि मात्र 30148 हेक्टेयर है। जल जमाव से मुक्ति के लिए 11747 हेक्टेयर लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि मात्र 593 हेक्टेयर है। समीक्षा के क्रम में निम्न निदेश दिया गया,

7.1 नयी योजना नहीं लेकर पुरानी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाय।

7.2 जल जमाव से मुक्ति के लिए बंद आहर–पाईन/ड्रेनेज लाईन को साफ किया जाय।

8. ग्रामीण कार्य विभाग के अधीन मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 2300 कि०मी० पथ एवं 2400 मीटर पुल के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि क्रमशः 1257 कि०मी० पथ एवं 1630 मीटर पुल है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 10200 कि०मी० पथ एवं 600 मीटर पुल के लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि क्रमशः 2223 कि०मी० पथ एवं 66.8 मीटर पुल है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 85 प्रतिशत राशि का व्यय किया गया है। भारत सरकार से अतिरिक्त राशि प्राप्त होने पर ही शेष लक्ष्य को पूरा किया जा सकता है।

9. उद्योग विभाग के अधीन शीत भण्डारण क्षमता में वृद्धि के लिए 10 लाख मि०टन लक्ष्य के विरूद्ध 1.55 लाख मि०टन उपलब्धि हुआ है। राइस मिलिंग क्षमता 22.13 लाख मि०टन प्रतिवर्ष लक्ष्य की तुलना में उपलब्धि 11.12 लाख मि०टन है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए 28 लक्ष्य के विरूद्ध उपलब्धि 25 है। समीक्षा के क्रम में निम्न निदेश दिया गया,

9.1 चावल मिलों का थर्ड पार्टी सर्वे उद्योग विभाग द्वारा कराया जाय।

30/1/15

(अंजनी कुमार सिंह)
मुख्य सचिव,
बिहार, पटना।

बिहार सरकार
कृषि विभाग

ज्ञापांकः–पी0पी0एम0–85/2014 621 /कृ०, पटना, दिनांक 3/02/ 2015

प्रतिलिपि :– प्रधान सचिव/सचिव, सहकारिता विभाग/उद्योग विभाग/जल संसाधन विभाग/लघु जल संसाधन/ग्रामीण कार्य विभाग/गन्ना उद्योग विभाग/खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग/पर्यावरण एवं वन विभाग/ऊर्जा विभाग/योजना एवं विकास विभाग/राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग/पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग/संयुक्त सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग–सह–निदेशक, पशुपालन/मुख्य सचिव, बिहार के प्रधान आप्त सचिव/विकास आयुक्त के प्रधान आप्त सचिव/प्रधान सचिव, कृषि के आप्त सचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

3/2/2015
(धनन्जयपति त्रिपाठी)
निदेशक, पी0पी0एम0।

ज्ञापांकः–पी0पी0एम0–85/2014 621 /कृ०, पटना, दिनांक 3/02/ 2015

प्रतिलिपि :– आई०टी० मैनेजर, कृषि विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

3/2/2015
निदेशक, पी0पी0एम0।